हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 19 जनवरी 2026

11 ड्रग पीड़ितों का सीएचसी रतिया में करवाया दाखिला

12 शीत लहर थमी तो पारा 6 डिग्री ऊपर पहुंचा, शहर के पार्क...

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में नाबालिग दबोचा

फतेहाबाद। चोरी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए थाना भूना पुलिस द्वारा एक नाबालिग को उसके अभिभावकों की मौजूदगी में जांच में शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में पूर्व में ही 05 आरोपियों को काबू किया जा चुका है। थाना भूना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि गांव गोरखपुर स्थित वार्ड नंबर 19, जोहड़ धमाना क्षेत्र में एक बंद मकान से चोरी की घटना सामने आई थी।

डोडा पोस्त तस्करी में सप्लायर गिरफ्तार

फतेहाबाद। थाना जाखल पुलिस ने नशीले पदार्थों की सप्लाई में संलिप्त मुख्य सप्लायर को काबू किया है। इस प्रकरण में इससे पूर्व एक अन्य आरोपी को पहले ही काबू किया जा चुका है। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा गश्त व नाकाबंदी के दौरान प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर जाखल-धारसूल रोड पर गांव दिवाना के पास कार्रवाई की गई। इस दौरान एक युवक मोटरसाइकिल पर आता दिखाई दिया, जिसने पुलिस नाकाबंदी को देखकर वापस मुड़ने का प्रयास किया। संदेह के आधार पर युवक को काबू कर नियमानुसार तलाशी ली गई।

मनीराम घोटिया का निधन, गांव में शोक

सिरसा। जिला के गांव मोडियाखेड़ा के सरपंच मनीराम घोटिया का 90 साल की आयु में निधन हो गया। उनका जन्म 1935 में पाकिस्तान के गांव 84 चक जिला मिंटगुमरी तहसील में हुआ। उनके पिताजी फौज में थे, इसलिए परिवार वहां बसा हुआ था। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1972 में मनीराम को बड़ा सम्मान प्रोग्रेसिव फार्मर का अवॉर्ड मिला। भारत सरकार ने उन्हें अमेरिका भेजा, जहां उन्होंने वहां की आधुनिक खेती की तकनीक सीखी। 1977 में फिर विदेश यात्रा का मौका मिला। इस बार ईरान, इराक, लेबनान, दुबई जैसे कई देशों की सैर की और वहां दो साल तक रहे। इन यात्राओं ने उन्हें नई सोच दी जिससे वे गांव में कई बदलाव लाए। उनके निधन पर गांव में शोक व्याप्त है।

किन्नर को ₹5100 से दिए तो लगेगा जुर्माना

रतिया। शहर के वार्ड नंबर एक व वार्ड नंबर 2 के गणमान्य लोगों की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में फैसला लिया गया कि विवाह शादी व बच्चों के जन्म पर किन्नर को अपनी हैसियत के अनुसार वार्ड के लोगों द्वारा 1100, 2100 रुपए और ज्यादा से ज्यादा 5100 रुपए दिए जाएंगे। अगर कोई व्यक्ति इस से ज्यादा रुपए देता है तो उसको जुर्माना लगाया जाएगा। इस अवसर पर गुरमीत सिंह सरपंच, वार्ड नंबर 2 की पार्षद रेखा शर्मा, राज सिंह, बलविन्द्र सिंह, दर्शन सिंह, सुखदेव सिंह, हरविंद्र सिंह , कुलवंत सिंह, तरसेम आदि मौजूद थे।

जिले में 50 हजार एकड़ में फसल की बुवाई

सफेद रतवा की चपेट में सरसों, पैदावार में 30 प्रतिशत नुकसान की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले में सरसों की फसल सफेद रतवा (व्हाइट रेस्ट) की चपेट में आ रही है। अगर समय रहते इस बीमारी का उपचार नहीं किया गया तो यह बीमारी आगे सरसों की फलियों पर भी आ सकती है। इससे फसल पैदावार पर 30 प्रतिशत तक नुकसान की आशंका रहेगी। किसानों का कहना है कि सरसों फसल के निरीक्षण में सफेद रतवा की शिकायत दिखाई दी है। सरसों फसल के पत्ते पलटकर देखते है तो सबसे पहले नीचे वाले पत्तों पर सफेद रंग का प्लास्टर जैसा सफेद चढ़ी हुई परत दिखाई देती है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यह सफेद रतवा के शुरूआती लक्षण हैं। अगर यह लक्षण नियंत्रित नहीं किए जाते तो यह आगे चलकर सरसों के फूल व फलियों तक पहुंचकर पैदावार को कम कर देते है। क्योंकि सफेद रतवा की बीमारी से फूल पर्याप्त फलियां नहीं बना पाता है तथा जो फलियां है, उनके अंदर सरसों का दाना नहीं बन पाता है। इससे किसानों को फसल पैदावार के रूप में आर्थिक नुकसान होगा। जिले में इस बार 50 हजार एकड़ भूमि में सरसों की फसल है। इस बार सरसों की फसल बेहतर है, लेकिन मौजूद समय में सरसों में सरसों सफेद रतवा की शिकायत देखने को मिल रही है। धीरे धीरे सफेद रतवा सरसों को अपनी चपेट में ले रहा है। अगर समय रहते उपचार नहीं किया जाता तो यह फसल में यह बीमारी फलियों में भी हो सकती है। इससे सरसों की फसल पैदावार पर 30 प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है। इसलिए अभी से इस उक्त बीमारी की रोकथाम के लिए फसल पर दवा का छिड़काव करने की जरूरत है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को प्रति एकड़ के हिसाब से 600 से 800 ग्राम मैंकोजेब दवाई में 200 से 250 लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करने की सलाह दी है।

बीमारी की रोकथाम के लिए दवा का छिड़काव करने की जरूरत

फतेहाबाद। धूप में लहलहाती सरसों की फसल। फोटो: हरिभूमि

इस तरह सफेद रतवा चट कर जाता है फसल

कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ राजेश सिहाग ने बताया कि सरसों फसल के निरीक्षण में सफेद रतवा की शिकायत दिखाई दी है। सरसों फसल के पत्ते पलटकर देखते है तो सबसे पहले नीचे वाले पत्तों पर सफेद रंग का प्लास्टर जैसा सफेद चढ़ी हुई परत दिखाई देती है। यह सफेद रतवा के शुरूआती लक्षण हैं। अगर यह लक्षण नियंत्रित नहीं किए जाते तो यह आगे चलकर सरसों के फूल व फलियों तक पहुंचकर पैदावार को कम कर देते है। क्योंकि सफेद रतवा की बीमारी से फूल पर्याप्त फलियां नहीं बना पाता है तथा जो फलियां है, उनके अंदर सरसों का दाना नहीं बन पाता है।

शुरुआती अवस्था में नियंत्रण से सरसों की पैदावार पर नहीं पड़ता

कृषि विशेषज्ञ डॉ. राजेश सिहाग ने बताया कि सरसों में सफेद रतवा के लक्षणों को नियंत्रित नहीं किया जाता तो यह आगे चलकर फूल व फलियों तक पहुंचकर पैदावार को कम कर देता है। इससे 30 प्रतिशत फसल को नुकसान हो सकता है। शुरूआती अवस्था में इस बीमारी पर कंट्रोल कर लिया जाए तो यह सरसों फसल की पैदावार पर असर नहीं कर सकता है। यह बीमारी मौसम पर आधारित है। मौसम अनुकूल होगा तो बीमारी आएगी, अनुकूल नहीं होगा तो बीमारी नहीं आएगी। अगर तापमान कम है और नमी ज्यादा है तो यह बीमारी अभी आएगी। फरवरी में जब मौसम गर्म हो जाएगा तो यह बीमारी नहीं रहती। सस्सों में मैंकोजेब दवाई का 600 से 800 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से 200 से 250 लीटर पानी में इसका घोल छिड़काव करना होता है। कृषि विशेषज्ञों की सलाह लेना जरूरी है ताकि फसल की अधिकतम पैदावार सुनिश्चित की जा सके।

फतेहाबाद। भट्टूकलां में तलाशी अभियान चलाते पुलिस टीम। फोटो: हरिभूमि

डॉग स्क्वॉड और कमांडो टीम के साथ भट्टूकलां में दी दबिश

- अपराधियों पर शिकंजा, पुलिस ने चलाया सघन तलाशी अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭भट्टूकलां

अपराधियों की धरपकड़ को लेकर भट्टूकलां पुलिस द्वारा रविवार को क्षेत्र में डॉग स्क्वॉड टीम, कमांडो टीम के साथ सघन तलाशी अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों, नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध हथियारों के संचय पर नियंत्रण स्थापित करना था। थाना भट्टूकलां प्रभारी उपनिरीक्षक राधे श्याम ने बताया कि अभियान के दौरान विशेष ध्यान उन क्षेत्रों पर रखा गया, जो पिछले अभियानों में संदेहास्पद पाए गए थे। डॉग स्क्वॉड की मदद से कई संदिग्ध स्थानों और संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली गई। इसके अलावा कमांडो टीम ने संभावित खतरे वाले ठिकानों पर दबिश देकर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने का प्रयास किया।

पुलिस पीआरओ के अनुसार पुलिस की सतर्कता और रणनीतिक योजना के कारण तलाशी अभियान सफल रहा लेकिन इस दौरान अपराधियों के ठिकानों पर किसी भी प्रकार की अवैध वस्तु की बरामदगी नहीं हुई।

दिए निर्देश

अभियान के दौरान स्थानीय लोगों को सुरक्षा उपायों और सतर्क रहने के लिए भी निर्देश दिए गए। उपनिरीक्षक राधे श्याम ने बताया कि पुलिस अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा और ऐसे अभियान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने में सहायक होंगे। उन्होंने जनता से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

अवैध पिस्तौल सहित युवक दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम ने गश्त व चेकिंग के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते गांव ओटू क्षेत्र एक युवक से 32 बोर अवैध पिस्तौल सहित काबू किया है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी धर्मबीर सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान ओटू की तरफ जा रही थी। इस दौरान गांव ओटू की तरफ से एक युवक आता दिखाई दिया जो कि सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुडक़र गांव की तरफ भागने की कोशिश करने लगा। शक के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक आकाशदीप उर्फ भोला पुत्र लाडी सिंह निवासी गांव आलूपुर जिला मानसा पंजाब को गिरफ्तार कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 32 बोर का अवैध पिस्तौल बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक के खिलाफ थाना रानियां में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु की गई है।

सिरसा। अवैध पिस्तौल के साथ पकड़ा गया आरोपी।

12.70 किलो डोडा पोस्त सहित दो महिला काबू

- फतेहाबाद में नई अनाज मंडी के पास पुलिस की ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सीआईए स्टाफ रतिया पुलिस ने फतेहाबाद में गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए डोडा चूरा पोस्त तस्करी में संलिप्त दो आरोपियों को काबू किया है। सीआईए रतिया प्रभारी सहायक उप निरीक्षक रिछपाल ने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि नशा तस्करी से जुड़े कुछ व्यक्ति नई अनाज मंडी फतेहाबाद क्षेत्र में नशीला पदार्थ लेकर आने वाले हैं। सूचना के आधार पर टीम का गठन कर योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी गई, जिसके दौरान मौके से दोनों आरोपियों को काबू किया गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 12 किलो 170 ग्राम डोडा चूरा पोस्त बरामद किया गया।

फतेहाबाद। डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार महिला व उसका साथी। फोटो: हरिभूमि

मामला दर्ज

इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी की पहचान गुरमीत उर्फ भोला पुत्र छोटा सिंह निवासी सुखासिंह वाला, थाना मोड़, जिला बठिंडा तथा छिंदर कौर पत्नी मिता सिंह पुत्र बिशन सिंह निवासी नथाना, जिला बठिंडा, पंजाब के रूप में हुई। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि महिला आरोपी के खिलाफ पूर्व में थाना नाथूसरी चोपटा, जिला सिरसा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

टोहाना में नहर में बोरी में बंधा मिला शव

- सीने पर बना है दिल के आकार का टैटू
- स्थानीय लोगों ने शव देखकर तुरंत 112 नंबर पर सूचना दी

हरिभूमि न्यूज ⏭टोहाना

टोहाना में सिद्धमुख नहर से एक व्यक्ति का शव बोरी में बंद मिला है। हिसार रोड पर बिजली घर के पीछे नहर पुल के नीचे से यह शव बरामद हुआ। सूचना मिलने पर शहर थाना प्रभारी कुलदीप सिंह और सहारा रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची, जिन्होंने शव को नहर से बाहर निकाला। शव को शिनाख्त के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। स्थानीय लोगों ने शव देखकर तुरंत 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद समाजसेवी नवजोत सिंह ढिल्लों की रेस्क्यू टीम को भी जानकारी दी गई। टीम मौके पर पहुंची और बोरी को नहर से बाहर निकाला। बोरी खोलने पर अंदर कंबल में लिपटा एक युवक का शव मिला। नवजोत ढिल्लों ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 25 वर्ष प्रतीत होती है। उसकी छाती पर दिल के आकार का टैटू बना है, जिसके बीच में अंग्रेजी अक्षर 'के' लिखा है। युवक ने एक कान में मुरकी यानि कान की बाली पहनी हुई थी, गले में काले रंग का धागा और पैर पर भी धागा बंधा हुआ था। शव काफी सड़-गल चुका था, जिससे उसके दोनों हाथ और एक पैर क्षतिग्रस्त अवस्था में मिले। मृतक ने जॉर्डन लिखा हुआ जैकेट और काले रंग की पैंट पहन रखी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए 72 घंटे तक नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया है।

आसपास के थानों में भेजी सूचना

जांच अधिकारी दिलबाग सिंह ने बताया कि आसपास के थानों में भी सूचना भेज दी गई है। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त विवरण के आधार पर मृतक की पहचान कर सकता है, तो वह सिटी थाना से संपर्क कर सकता है।

मारपीट करने पर 5 महिलाएं गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

- जमीनी विवाद के चलते झगड़ा, 4 आरोपी पहले ही काबू

जमीनी विवाद के चलते मारपीट करने के एक मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर रतिया पुलिस ने 5 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व इसी प्रकरण में 04 आरोपियों को पहले ही काबू किया जा चुका है। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि थाना सदर रतिया में एक महिला द्वारा अपनी ननदों व अन्य व्यक्तियों के खिलाफ जमीन विवाद, जान से मारने की धमकी, तोडफ़ोड़ व चोरी संबंधी शिकायत दी गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपियों द्वारा उसके घर के बाहर हंगामा किया गया, पानी की मोटर व अन्य सामान को नुकसान पहुंचाया गया, सीसीटीवी कैमरे व बिजली मीटर तोड़े गए तथा जान-माल को खतरा उत्पन्न किया गया। शिकायत के आधार पर थाना सदर रतिया में 3 सितंबर 2025 को मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने 5 महिला आरोपियों को काबू किया, जिनकी पहचान नीलम रानी पत्नी देवेंद्र निवासी लाली रोड, रतिया, बलजीत कौर पत्नी सतपाल सिंह निवासी गुरु नानक बस्ती रतिया, रमन कौर निवासी लाली रोड रतिया, गुरजीत कौर उर्फ गोगा निवासी गुरु नानक बस्ती रतिया तथा सुनीता निवासी लाली रोड, रतिया के रूप में हुई है।

16 किलो चूरापोस्त सहित तीन तस्कर पकड़े

- गश्त व चेकिंग के दौरान गांव सिकंदरपुर क्षेत्र में पुलिस की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस ने गश्त व चेकिंग के दौरान गांव सिकंदरपुर क्षेत्र से तीन व्यक्तियों को हजारों रुपए का 16 किलो 126 ग्राम चूरापोस्त सहित काबू किया है। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान नजदीकी गांव सिकंदरपुर क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान सामने से तीन व्यक्ति अपने हाथों में प्लास्टिक के थैले लिए हुए आते हुए दिखाई दिए। उक्त तीनों व्यक्तियों ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुडक़र खिसकने का प्रयास किया तो पुलिस पार्टी ने उक्त तीनों व्यक्तियों को काबू कर तलाशी ली तो प्लास्टिक की थैलों से 16 किलो 126 ग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ।

सिरसा। चूरापोस्त के साथ पकड़े गए आरोपी। फोटो: हरिभूमि

अन्य आरोपियों की तलाश जारी

एंटी नारकोटिक्स सेल प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना सदर सिरसा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच सदर थाना को सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान सदर थाना पुलिस ने तीनो आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा और रिमांड अवधि के दौरान आरोपियों से पूछताछ कर डोडा चूरा पोस्त तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के नाम पते मालूम कर उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चाहरवाला के सरकारी स्कूल के 100 वर्ष पूरे होने पर शताब्दी पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित

बच्चों ने देशभक्ति से प्रेरित सांस्कृतिक कार्यक्रम किए प्रस्तुत, विद्यायल में खुशी का माहौल

एलूमनी ने अपने विचार सांझा किया और एक दूसरे से मिलकर खुशी प्रकट की

हरिभूमि न्यूज ⏭चोपटा

क्षेत्र के गांव चाहरवाला में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सौ वर्ष पूर्व होने पर रविवार को शताब्दी छात्र मिलन समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल में पढ़ने वाले एलूमनी काफी संख्या में पहुंचे। एल्यूमिनी ने मिलकर अपने विचार सांझा किया और एक दूसरे से मिलकर खुशी प्रकट की। स्कूल को रंग रोगन करने के साथ पूरे तरीके से सजाया गया। समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर टीसीआई टॉसपोर्ट के प्रबंधक धर्मपाल अग्रवाल, सीटीएम अजय कुमार एएसपी फैजल खान, शिवम-ब्लाक समिति चैयरमेन सूरजभान बुमरा ने शिरकत की। इस समारोह में पहुंचने वाले पूर्व छात्रों को स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। गौरतलब है कि चाहरवाला स्कूल के शताब्दी मिलन समारोह में मुख्य रूप से धर्मपाल अग्रवाल पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि धर्मपाल अग्रवाल के पिता सेठ प्रभु दयाल अग्रवाल ने इस स्कूल की शुरुआत में सहयोग दिया था। कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक व देशभक्ति से ओतप्रोत और कार्यक्रम प्रस्तुत कर मंत्र मुक्त कर दिया।

सिरसा। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व प्रधान धर्म सिंह, पूर्व सरपंच पूर्ण सिंह, शेर सिंह, हरि सिंह सहारण, पूर्व सरपंच रामचंद्र, पूर्व सरपंच भूप सिंह, गौशाला प्रधान रामस्वरूप राम सिंह, फौजी रामस्वरूप बेनीवाल, मोनिका बेनीवाल कृष्ण गढ़वाल कागदाना, कृपाल आर्य, शिक्षा अधिकारी सुनीता साइ, प्रिंसिपल जयकिशन शर्मा, अश्विनी, वेद प्रकाश, कुलदीप, दिलबाग, पृथ्वी सिंह, रविंदर, जगदीश, विजय, पृथ्वी, मोहन, सुभाष, बलदेव बेनीवाल, मुकेश बेनीवाल, रामकुमार, दिनेश खरा, सरपंच प्रतिनिधि अशोक कुमार ने भी विशेष तौर से शिरकत की। आयोजकों ने आए हुए सभी अतिथियों का मृति चिह्न देकर सम्मान किया।

समय, सेहत और संबंध... इन तीनों पर कीमत का लेबल नहीं लगा होता है, लेकिन जब हम इन्हें खो देते हैं तब इनकी कीमत का अहसास होता है।

- मुंशी प्रेमचंद

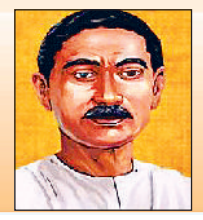

मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है।

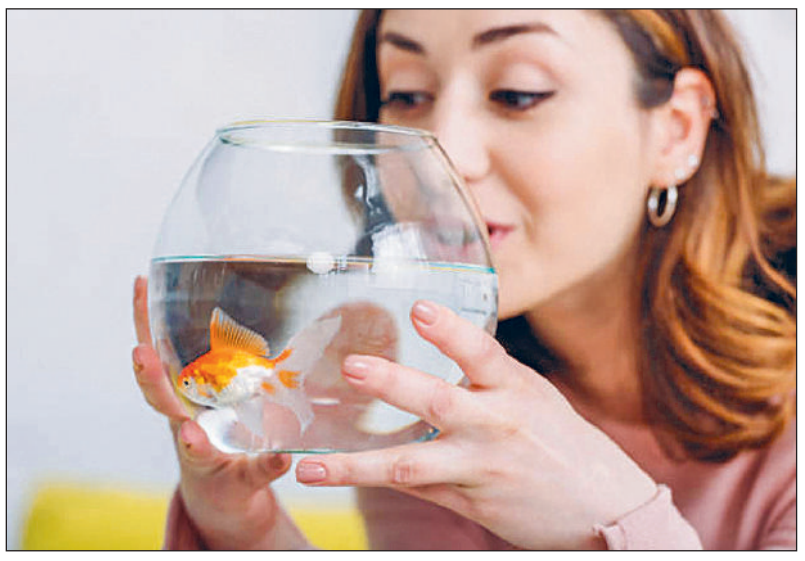

अकेलेपन का दंश

कहानी

सुदर्शन रत्नाकर

मछलियां जब लाई गई थीं, तब वे गिनती में कुल बारह थीं। ऐक्वेरियम के स्वच्छ जल में तैरतीं वे रंग-बिरंगी मछलियां एक दूसरे से टकरातीं, ऊपर-नीचे, दायें-बांयें होतीं अठखेलियां करतीं, घर में सबके आकर्षण का केन्द्र बन गईं थीं। ऐक्वेरियम के बैकग्राउंड में लगी लैंडस्केप में पहाड़, झरना, पेड़ सब थे, जो देखने में एक सुंदर दृश्य उपस्थित करते थे; लेकिन उन मछलियों के तैरने, विचरण करने की एक सीमा थी। नदी, तालाब या सागर का अथाह जल नहीं था। जो भी था तीन बाय दो फ़ीट का ऐक्वेरियम ही उनका संसार था। सीमित जल ही उनका जीवन था। स्वाभाविक रूप में जीव -जन्तु उनका भोजन नहीं थे। हमारी कृपा से ही उनका पेट भरता था। शायद हमारी कृपा अधिक ही हो जाती थी। सुबह-शाम तो उनकी डाइट डाली ही जाती थी। बच्चे आते-जाते उन्हें देखते और साथ में में दो-चार दाने ऐक्वेरियम में डाल देते।

मछलियों में हलचल शुरू हो जाती। किसी के हिस्से में दो दाने आ गये और शेष रह गईं। कोई मुटा रही थी तो कोई पहले से दुबली हो रही थी। रंग-बिरंगी दस मछलियां बेहद सुंदर थीं; लेकिन दो एकदम काली, जो दूर से ही पहचानी जाती थीं। दूसरी मछलियों से अलग और जीवट। दूसरी मछलियों को धकेलतीं एक से दूसरे कोने में पहुंच जातीं। वे रहती भी उन दोनों से अलग थीं। शायद वे उनसे अलग प्रजाति की होंगी। पर मैंने देखा कि थोड़े दिन में वे दूसरी मछलियों से हिलमिल गई थीं। एक कोने में न जाकर उनके बीच जाकर खेलने लगतीं। मछलियों के क्रियाकलापों से लगता था, बंधन में रहकर भी वे खुश हैं। उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया था। न भी खुश रहतीं तो भी उन्हें रहना तो वहीं था। बाहर निकल नहीं सकती थी, क्योंकि वहां जीवन का अंत था। पर मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं न। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है। कोई भी बंधन उसे बांध नहीं पाता और वह पंख फैलाकर उड़ जाता है। समीर ने लंदन जाने का फ़ैसला उसे सुना दिया था। उससे पहले उसने सारी औपचारिकताएं पूरी भी कर ली थीं। वह उसे क्या कहती, उसके साथ तो जा नहीं सकती थी। यह समीर जानता था, इसीलिए उसने पूछने की ज़रूरत ही नहीं समझी। मन को यह बात चुभती रही कि वह उसे पहले ही बता देता, तब भी वह उसे रोकती नहीं, वह यह बात भी जानता है। मैंने अनुशासन में रखकर उसे संस्कारों के साथ स्वतंत्रता भी दी हुई थी, इसलिए उसकी इच्छा में बाधक बनने का तो कोई प्रश्न ही नहीं उठता था!

एक महीने के भीतर वे सब चले गए। घर सूना हो गया। तब बरसों पहले छोड़ कर गए मिहिर की बहुत याद आई थी। उसने परिस्थितियों के साथ समझौता कर लिया। मछलियों के साथ समय बिताने लगी थी। उसे देखते ही उनमें हलचल मच जाती। जैसे ही दाना डालती, वे सब उछल-उछल कर ऊपर की ओर आ जातीं। वे उसके सूनेपन की साथी हो गई थीं। ऐक्वेरियम के सामने बैठ कर घंटों उन्हें निहारती। हलकी-हल्की ठंड पड़नी शुरू हो गयी थी। मौसम ख़ुशगवार हो गया था। गुनगुनी धूप अच्छी लगने लगी थी। लॉन में बैठने को मन करता। धूप में बैठे-बैठे भी वह अंदर रखे ऐक्वेरियम में मछलियों को निहारती रहती। यह उसकी दिनचर्या बन गई थी। फिर देखते ही देखते सर्दी बढ़ गई। वर्षा के साथ ठंडी हवाएं चलने लगीं। तापमान गिरता गया। ऐक्वेरियम के सामान्य तापमान में रहने वाली मछलियों के लिए यह तापमान कम था। कमज़ोर मछलियां सह नहीं पाईं और पांच मछलियां मर गईं। उनका साथ छूट गया। उसे अच्छा नहीं लगा। शेष बची मछलियां भी दो दिन तक सुस्त रहीं। उनके डाइट के दाने पानी के ऊपर तैरते रहे। यही नहीं, अगले कुछ दिनों में सात मछलियों में से पांच और चली गईं। शेष वहीं दो काली मछलियां बच गईं, जो सबसे अलग लगती थीं। अब पूरा ऐक्वेरियम उनका था, पर वे दोनों पानी में रखे पत्थरों के बीच छिप कर बैठ जातीं। वह दाना डालती तो उछल कर ऊपर आ जातीं। भूख तो सब को लगती है, ईश्वर ने विधान ही ऐसा बनाया है। परिवार के साथ हो या अकेले पेट भरने के लिए यत्न तो करना पड़ता है। मछलियों को भी पानी में से भोजन तलाशना पड़ता है। उसने कई बार सोचा कि कुछ मछलियां और लाकर पानी में छोड़ दे; लेकिन ऐसा किया नहीं, जिनके लिए किया था वे तो चले गए। उसके लिए ये दो ही बहुत हैं। जब ढेर सारी मछलियां थीं तो ये दोनों अपने में ही मस्त रहती थीं, पर अब जब वह इनके पास से गुजरती हैं तो ये सतर्क हो जाती हैं। उछल कर ऊपर आ जाती हैं और फिर तैरती हुई दूसरे किनारे चली जाती हैं। वह उन्हें कहती है, 'तुम भाग्यशाली हो, दो तो हो। एक दूसरे का सहारा है। एक साथ रहती हो, खेलती हो, बतियाती हो, दिन- रात कब निकल जाते हैं पता ही नहीं चलता होगा तुम दोनों को। मिहिर साथ होते तो उसे भी बच्चों का चले जाना शायद अखरता नहीं।' दोनों मछलियां उछल कर फिर ऊपर आ जाती हैं। वह समझ जाती है, कहती है, 'अच्छा तुम हो मेरे साथ। हाँ, तुम हो, मैं अकेली कहां हूं। नाराज़ क्यों होती हो, चलो दाना खा लो और फिर खेलो, मैं तुम्हारा खेल देखूंगी।' इधर कई दिनों से वह उनसे बतियाने लगी है। अपनी ही आवाज़ सुन कर वह खुश हो जाती है। कोई आवाज़ तो गूंजी घर में। नहीं तो सारा दिन सूनापन पसरा रहता है। दरवाज़े खोल कर भी रखो तो भी बाहर से कोई आवाज़ नहीं आती। हर कोठी का गेट दूसरी कोठी से दूर है। सब अपने में सीमित, अपने - अपने घर में सिमटे रहते हैं। पता ही नहीं चलता, कब कोई बाहर गया और कब अंदर आया। सिवाय सड़क पर आते-जाते वाहनों के कोई और आवाज़ नहीं आती। धुआं और धूल उड़ाती गाड़ियां दिन -रात चलती रहती हैं। उनकी आवाज़ों से डर कर आंगन में लगे पेड़ों पर कभी-कभार ही कोई परिन्दा आकर बैठता है, पर वाहनों की आवाज़ में उनकी आवाज़ विलीन हो जाती है। हां, कभी कभी आती-जाती बाइयों की आवाज़ सुनाई दे जाती है, जो काम से निपट कर बाहर निकलती हैं, तो एक दूसरे से मालिकों की या अपनी गाथा सुनाने खड़ी हो जाती हैं। वह अनुभव कर रही थी, अब उसका शरीर शिथिल होता जा रहा है। खान-पान, दिनचर्या बराबर पहले जैसी है और ऐसा भी नहीं लगता कि वह बीमार है। हां, कभी कभी सांस उखड़ने लगती है। मौसम बदलने पर प्रभाव अधिक पड़ता है। प्रदूषण से भी तो कोई बचाव नहीं। उसने विशेष ध्यान नहीं दिया, लेकिन एक रात सोते हुए उसका दम घुटने लगा। सांस लेने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। अवश्य ही उसे हार्ट अटैक आने वाला है, सोच कर ही वह सिंहर उठी। उसने समझदारी से काम लिया। एम्बुलेंस बुला कर वह स्वयं उसमें जा बैठी। अस्पताल घर के पास ही था, इसलिए वहां पहुंचने में देर नहीं लगी।

सभी टेस्ट करने के बाद पता चला कि उसके फेफड़ों में संक्रमण हो गया है। इलाज शुरू हो गया। पांच दिन वह अकेली अस्पताल में रही। उसने किसी को बताया ही नहीं। वैसे भी कौन ख़ाली बैठा है। पर अकेले समय काटना उसके लिए भारी हो गया था। डॉक्टर या सिस्टर आती तो कमरे का सूनापन थोड़ी देर के लिए कम हो जाता। दो दिन के बाद सुबह-शाम कॉरिडोर में चक्कर लगाने लगी। वार्ड में भी चली जाती। देखती सभी मरीज़ों के पास कोई न कोई सगा सम्बंधी बैठा होता। अस्पताल में मिलने के समय में भी सम्बंधी या परिचित मिलने आ जाते हैं। उस समय मरीज़ के चेहरे पर कितना आत्मसंतोष झलकता है। कोई है, जो अपना है। कितना कठिन होता है दुख की घड़ी में अकेलेपन के दंश को सहना, लेकिन सहना पड़ता है। उसने कुछ मरीज़ ऐसे भी देखे जिनके पास, उसकी तरह मिलने के समय में भी कोई नहीं आता था। घर में ऐक्वेरियम में मछलियां भी तो अकेलेपन को सह रही हैं। आती बार वह दाना डालना नहीं भूली थी, पर अब तक तो वे ख़त्म कर चुकीं होगी। पांच दिन बाद वह घर लौट आई। कोई सहारा देकर अंदर ले जाने वाला तो था नहीं। थोड़े दिन के लिए एक नर्स का प्रबंध वह अस्पताल से ही करके आई थी। जो एक सप्ताह तक आती रही। फिर मेड को सुबह से शाम तक रोकने लगी। अब ऐक्वेरियम उसने कमरे में रखवा लिया था। एक शाम उसने देखा एक मछली सुस्त हो रही है। उसने खाना भी नहीं खाया और पत्थर के बीच दुबकी रही। शरीर में कोई हरकत नहीं थी। वह मर गई थी। उदासी और निराशा उसे सारा दिन घेरे रही। अब ऐक्वेरियम में एक ही मछली रह गई थी, अकेली उसकी तरह। दो दिन तक वह भी शिथिल रही। साथी के जाने का दुख था शायद। संवेदनाएं तो जीव-जन्तुओं में भी होती हैं, पर मनुष्य ही उनकी भावनाओं को नहीं समझ पाता। अब धीरे-धीरे वह स्वस्थ हो रही थी। मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था। एक बड़े डिब्बे में पानी भरा, ऐक्वेरियम को खोल कर उस काली मछली को उसमें डाल दिया। घर के पास ही एक छोटे से पौंड में उसे छोड़ते हुए कहा, "जाओ अपने साथियों के साथ मिलकर आज़ादी से रहो, अकेलेपन की पीड़ा क्या होती है, मैं जानती हूं। और हां, सुनो, मैं भी अब अकेली नहीं रहूंगी अस्पताल जाया करूंगी, उनके साथ रहूंगी, जिनका कोई नहीं, जो अकेले हैं।' मछली ने कुछ सुना या समझा, पता नहीं; लेकिन पौंड में जाते ही वह स्फूर्ति से तैरने लगी।

मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था।

कविता चांदनी केशरवानी 'सुगंधा'

मुक्तक

यहां है झूठ थोड़ा तो यहां सच की भी माला है,
यहां अमृत अगर मिलता है तो विष का भी प्याला है,
यहां मन में ही उठते पाप पुण्यों के समुन्दर हैं
अगर मंथन करो मन का तो बनता इक शिवाला है।

जो पैर धरती पर रहे, आकाश चढ़ गए,
कांटों भरे जमीन पे ,पैदल ही बढ़ गए,
ख़ाली थे जिनके हाथ विरासत के नाम पर
मेहनत से अपने भाल पे वो जीत गढ़ गए।

बन्द दिलों के द्वार यहां तो खुलने दो,
प्रेम सुधा से नफ़रत को भी धुलने दो,
मत बांटो तुम रंगों से इस दुनिया को
रंग यहां अब प्रेम के सारे घुलने दो।

खा के ठोकर भी ख़ुद को सँवारा करो ,
मुश्किलों में भी डट कर गुज़ारा करो,
जीत अक्सर मिले, यह जरूरी नहीं ,
हार कर भी न हिम्मत, यूँ हारा करो।

,अहम से जो भरोगे तुम, यहाँ पहचान खो दोगे ।
बहेंगे अश्रु आँखों से अधर मुस्कान खो दोगे।
यहाँ नारी सभी पूजित, अमानत हैं धरा की वो
नहीं आदर किए इनकी तो तुम सम्मान खो दोगे।

कविता लता

पंछी बन जाऊं मैं

मैं भी एक पंछी होती,
अपनी मर्जी से खेल पाती,
मुझे भी होती पूरी आजादी,
मैं भी कहीं भी घूम पाती,
अपनी मर्जी से सब खा पाती,
इतना ऊँचा मैं उड़ना चाहती,
किसी की सोच तक पहुँच न पाती,
किताबों के पंछी आसमान में उड़ते,
इतनी ऊंची वो उड़ान भरते कि,
फिर नीचे न किसी को देखते,
करते अपने मन की सौ बार,
फड़ फड़ उड़ जाते हर बार।।

लघुकथा राजश्री गौड़

हिम्मत सिंह का दर्द

जब से सर्जिकल-स्ट्राइक-2 हुआ है, तमाम देशवासियों की तरह मेरे मुहल्ले के लोग भी बदले व जीत की ख़ुशी से फूले नहीं समा रहे। गली-नुक्कड़ पर सभी नव-उत्साह से भरे प्रधानमंत्री के साहसिक कदम व सीमा के प्रहरी जाँबाजों की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं।

मेरे पड़ोस में ही रहने वाले हिम्मत सिंह हवलदार ड्युटी पर जाने को निकले तो पड़ोसियों का जमावड़ा देख दुआ-सलाम के साथ ही लगे देश की सुरक्षा सम्बंधी घटनाओं पर अपनी व्यथा उड़ेलने।

'आर्मी और एयरफोर्स तो पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक कर चुकी है, हमें भी तो मौका मिलना चाहिए। हम सिर्फ बापुओं व बाबाओं को पकड़ने के लिए ही हैं।'

'साहब, ये बाबा-बापु भी पकड़ने बहुत जरूरी हैं, जो देश की आधी आबादी व संस्कृति को शहीद करने में लगे हैं।'

हवलदार हिम्मत सिंह का सीना गर्व से फूल गया।

प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक विरासत

हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी।

मंथन कमलेश शर्मा

हरियाणा की सोंधी मिट्टी में केवल किसान के पसीने की गंध ही नहीं, बल्कि साहित्यकारों की कलम से निकली स्याही की सुगंध भी उतनी ही गहराई से रची-बसी है। सरस्वती नदी के तट पर पल्लवित-पुष्पित हुई यह सभ्यता, जिसे भारतीय संस्कृति का पालना कहा जाता है, सदियों से साहित्य के सृजन और संवर्धन में एक मूक किंतु सशक्त प्रहरी की भूमिका निभाती आ रही है।

हरियाणा के हिंदी साहित्य वटवृक्ष का बीज नाथ साहित्य परंपरा में खोजा जा सकता है। अस्थल बोहर मठ इस परंपरा का वह ध्रुव तारा रहा है, जिसने हिंदी साहित्य को दिशा दिखाई। बाबा मस्तनाथ और विशेष रूप से चौरंगीनाथ, जिन्हें लोकगाथाओं में पूरण भगत के नाम से जाना जाता है, को हिंदी के प्रारंभिक गद्यकारों और कवियों की श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त है। उनकी कालजयी रचनाओं, जैसे 'प्राण संकली' में हमें अपभ्रंश और पुरानी हिंदी का वह दुर्लभ संक्रांति-कालीन स्वरूप देखने को मिलता है, जिसने आगे चलकर आधुनिक खड़ी बोली हिंदी की नींव रखी। मध्यकाल में जब संपूर्ण भारतवर्ष भक्ति रस में सराबोर था, तब हरियाणा की पावन धरा भी इस आध्यात्मिक क्रांति से अछूती नहीं रही।

महाकवि सूरदास : फरीदाबाद के सीही गांव की मिट्टी ने हिंदी साहित्य को वह अनमोल रत्न दिया, जिसे दुनिया महाकवि सूरदास के नाम से जानती है। अपनी प्रज्ञाचक्षुओं से सूरदास ने 'सूरसागर' के माध्यम से ब्रजभाषा को जो लालित्य और माधुर्य प्रदान किया, वह अद्वितीय है। उनके वात्सल्य और श्रृंगार वर्णन में मानवीय संवेदनाओं की जो सूक्ष्मता मिलती है, वह विश्व साहित्य में दुर्लभ है।

संत गरीबदास : इसी कालखंड में झज्जर के संत गरीबदास ने निर्गुण भक्ति परंपरा को आगे बढ़ाया। उनकी वाणी में कबीर की वैचारिक परंपरा का विस्तार दिखाई देता है, जिसमें सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार और मानवीय समानता का संदेश स्पष्ट रूप से उभरता है। उनकी भाषा हरियाणवी मिश्रित हिंदी थी, जो सीधे जनसाधारण के हृदय तक पहुंचती थी।

महाकवि संतोख सिंह : इसी वैचारिक श्रृंगार में कैथल के राजकवि महाकवि संतोख सिंह का योगदान भी अविस्मरणीय है, जिन्होंने 'श्री गुरु प्रताप सूरज ग्रंथ' जैसी विशालकाय कृति रचकर ब्रजभाषा को शास्त्रीय ऊंचाइयां प्रदान की। अठारह सौ सत्तावन की महान क्रांति के दौरान यहां का साहित्य दरबारों से निकलकर रणक्षेत्रों में गूंजने लगा। लोककवियों, जिन्हें इतिहास की किताबों में भले ही स्थान न मिला हो, ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐसे ओजस्वी गीत और रागनियां लिखी। आल्हा गायन और वीरगाथाओं ने युवाओं में नए जोश भरने का कार्य किया।

बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह और झज्जर के नवाब अब्दुर्रहमान खान की शहादत पर रचे गए लोकगीत हरियाणा में बड़े आदर से गाए जाते हैं, जो यह प्रमाणित करते हैं कि इस भूमि पर कलम और तलवार, दोनों ही स्वाधीनता संघर्ष के समान रूप से भागीदार रहे हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य के निर्माण में हरियाणा के मनीषियों का योगदान नींव के पत्थर समान है।

बाबू बालमुकुंद गुप्त : रेवाड़ी के गुड़ियानी गांव के सपूत बाबू बालमुकुंद गुप्त को भारतेंदु युग और द्विवेदी युग के बीच की सबसे मजबूत कड़ी माना जाता है। जब देश गुलाम था, तब उन्होंने 'शिवशंभू के चिट्ठे' के माध्यम से तत्कालीन निरंकुश शासकों की सत्ता को अपने व्यंग्य से हिलाकर रख दिया था। उनकी कलम ने भयमुक्त पत्रकारिता के उच्च प्रतिमान स्थापित किए।

पंडित माधव प्रसाद मिश्र : इसी दौर में भिवानी के कुंगड़ गांव के पंडित माधव प्रसाद मिश्र ने हिंदी कहानी को नई दिशा दी। उनकी कहानी 'लड़की की बहादुरी' को हिंदी की प्रारंभिक मौलिक कहानियों में गिना जाता है, जिसने यथार्थवाद की जमीन तैयार की।

तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' : भिवानी के ही तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' ने 'पुरुषोत्तम' और 'भक्त-भारती' जैसे महाकाव्यों की रचना कर हिंदी प्रबंध काव्य की परंपरा को समृद्ध और गौरवन्वित किया। जहां एक ओर शिष्ट हिंदी साहित्य अपनी ऊंचाइयां छू रहा था, वहीं, दूसरी ओर हरियाणवी लोकभाषा का साहित्य जन-जन की आवाज बन रहा था।

पंडित लखमीचंद : पंडित लखमीचंद को हरियाणवी साहित्य का सूर्य कवि कहा जाता है। उन्होंने 'सांग' विधा को सामान्य मनोरंजन से निकालकर दार्शनिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके सांगों में वेदों का ज्ञान और लोकजीवन का अनुभव एक साथ मिलता है। उनके समकालीन और शिष्यों ने इस परंपरा को और निखारा। वहीं, पंडित मांगेराम अपनी विलक्षण प्रतिभा, छंदविधान और शिल्पगत अनुशासन के लिए विख्यात हुए। मांगेराम ने रागिनी को एक सुगठित साहित्यिक ढांचा प्रदान किया। उनकी 'कृष्ण-सुदामा' और 'शकुंतला-दुष्यंत' जैसी रचनाएं भाषा की शुद्धता की मिसाल हैं।

बाजे भगत : बाजे भगत इस परंपरा में एक समाज सुधारक के रूप में उभरे, जिन्होंने अपनी कविताओं से पाखंड और सामाजिक कुरीतियों पर तीखे वार किए। इनके साथ-साथ अनेक लोककवियों ने इस यज्ञ में अपनी–अपनी आहूतियाँ डाली।

राजाराम शास्त्री : हरियाणवी साहित्य केवल पद्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आधुनिक काल में राजाराम शास्त्री ने 'झाड़फिरी' नामक प्रथम हरियाणवी उपन्यास लिखकर गद्य लेखन का श्रीगणेश किया। इस उपन्यास में ग्रामीण हरियाणा के ताने-बाने, अंधविश्वास और रिश्तों की जटिलताओं का जैसा यथार्थवादी चित्रण मिलता है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। समग्रतः यह कहा जा सकता है कि हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी। हरियाणा का साहित्य इस वीर भूमि के स्वाभिमान, संघर्ष, सांस्कृतिक चेतना और अदम्य जिजीविषा का जीवंत परिचय कहा जा सकता है।

जज्बातों, कशमकश और यथार्थ का संगम है 'मुनासिब'

पुस्तक : मुनासिब
लेखक : चरणजीत चरण
मूल्य : 200 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा डॉ. विजेंद्र कुमार

साहित्य समाज का दर्पण होता है, लेकिन गज़ल उस दर्पण में पड़ने वाली अक्स की 'रूह' होती है। सुप्रसिद्ध गज़लकार चरणजीत चरण का गज़ल संग्रह 'मुनासिब' इसी रूह की तलाश करता हुआ प्रतीत होता है। इस संग्रह के शेर न केवल पढ़ने वाले को अपनी ओर खींचते हैं, बल्कि वे पाठक के दिल में दबे उन जज्बातों को जुबान देते हैं जो अक्सर खामोश रह जाते हैं। 'मुनासिब' में इश्क़ की टीस भी है, रिश्तों की गरिमा भी, और बदलते समाज पर एक तीखा कटाक्ष भी। चरणजीत की शायरी में प्रेम का वह रूप दिखाई देता है जो फिल्मी नहीं, बल्कि यथार्थवादी है। प्रेम और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच पिसते हुए आम आदमी की दास्तां इस शेर में बखूबी बयां होती है:

दबाकर हाथ मेरा ज़ोर से हंसते हुए बोली
अगर अब वस्ल का सोचेंगे तो घर टूट जाएगा

यहाँ 'घर' और 'वस्ल' (मिलन) के बीच का द्वंद्व पाठक को भीतर तक झकझोर देता है। इसी कशमकश का विस्तार उस शेर में मिलता है जो शायद इस संग्रह का शीर्षक-शेर भी कहा जा सकता है:

न घर जाना मुनासिब था, न मर जाना मुनासिब था
जहां हम थे वहां से बस बिछड़ जाना मुनासिब था

यह शेर बेबसी की उस पराकाष्ठा को छूता है जहां 'बिछड़ना' चुनाव नहीं, बल्कि एकमात्र विकल्प रह जाता है। शायर ने 'मुनासिब' शब्द का प्रयोग जिस नज़ाकत से किया है, वह उनकी भाषाई पकड़ का सबूत है। चरणजीत की गज़लें सिर्फ गम का रोना नहीं रोतीं, बल्कि वे जीने का हौसला भी देती हैं। आज के दौर में जहां हर कोई ज्यादा पाने की होड़ में है, वहाँ शायर 'कम' में गुज़ारा करने की बात कर एक साधुत्व का परिचय देता है:*कौन ख़ुशी का रास्ता देखे ग़म से काम चला लेंगे*तुम अपना पूरा कर लो हम कम से काम चला लेंगे*यह पंक्ति त्याग और प्रेम में समर्पण की पराकाष्ठा है। 'मुनासिब' संग्रह केवल निजी जज्बातों तक सीमित नहीं है। इसमें समाज की विसंगतियों पर भी चोट की गई है। कुल मिलाकर, यह संग्रह 'मुनासिब' यादों, कसक, नैतिकता और जीवन के छोटे-छोटे पलों का एक खूबसूरत गुलदस्ता है। यह संग्रह साबित करता है कि अच्छी शायरी वह नहीं जो सिर्फ वाह-वाही लूटे, बल्कि वह है जो पाठक को यह महसूस कराए कि यह उसी की कहानी है। निस्संदेह यह संग्रह पाठकों की यादों में लंबे समय तक महकता रहेगा।

खबर संक्षेप

सड़कों के पैचवर्क में हो रहा घोटाला : शर्मा

सिरसा। प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि राजकुमार शर्मा ने कहा कि नगरपरिषद में सड़क निर्माण व पैचवर्क के नाम पर करोड़ों रूपए का घोटाला हो रहा है और सरकार पूरी तरह उदासीन है। रविवार को जारी बयान में शर्मा ने कहा कि सरकारी खजाने से पैसा निकालने के लिए हाल ही में बनाई गई सड़कों का दोबारा निर्माण करने के लिए टेंडर लगाए जा रहे हैं। सही बनी सड़कों को उखाडक़र छोड़ दिया गया है। वहीं पैचवर्क के नाम पर खानापू ा गबन किया जा रहा है।

कैंसर पीड़ितों को दी जा रही पेंशन

सिरसा। हरियाणा सरकार की ओर से स्टेज 3 व 4 के सभी आयु वर्ग के कैंसर पीड़ितों को तीन हजार रूपए मासिक पेंशन दी जा रही है। यह सहायता उन कैंसर मरीजों को दी जा रही है जिनके परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपए तक है। वर्तमान में जिला के 302 कैंसर पीड़ित व्यक्तियों को योजना का लाभ दिया जा रहा है। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार पेंशन सीधे बैंक खातों में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था के जरिए स्थानांतरित की जा रही है। योजना का लाभ लेने के लिए पात्र आवेदक को सिविल सर्जन कार्यालय द्वारा सत्यापित दस्तावेजों को सरल केंद्र के माध्यम से अपलोड करना होगा।

शिविर में 143 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

बरवाला। बरवाला जनसेवार्थ ट्रस्ट द्वारा सरदार गुरबक्श वाली गली में स्थित भारत धर्मशाला के प्रांगण में 13वां स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जनरल फिजिशियन डॉ संदीप वर्मा और महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एकता तथा फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. मनदीप सिंह की उपस्थिति में नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में कुल 143 लोगों ने स्वास्थ्य जांच एवं रक्त परीक्षण की सुविधाओं का लाभ उठाया।

मोबाइल शॉप से हजारों का सामान चोरी

नारनौंद। क्षेत्र के गांव राखी गढ़ी में चोरों ने एक मोबाइल शॉप का शटर तोड़कर हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने दुकानदार की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव राखी गढ़ी निवासी फूलकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी गांव में तमन्ना मोबाइल के नाम से दुकान है। शनिवार रात लगभग एक बजे दो अज्ञात व्यक्ति उसकी दुकान पर पहुंचे। आरोप है कि बदमाशों के पास तेजधार हथियार थे, जिनकी मदद से उन्होंने दुकान का शटर तोड़ा और भीतर घुस गए।

उद्घोषित आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया

हांसी। शहर थाना पुलिस ने उद्घोषित आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया गया है। प्रोडक्शन वारंट पर लिए गए आरोपी की पहचान मोची मोहल्ला निवासी अंकित के रूप में हुई है। जांच अधिकारी एसआई जोगिंद्र सिंह ने बताया कि प्रोडक्शन वारंट पर लिए गए आरोपी के खिलाफ 2025 में ढाणी पुरिया क्षेत्र में घर पर फायरिंग करने के आरोपी को अवैध पिस्तौल सप्लाई करने का केस शहर थाना हांसी में दर्ज किया गया था।

नशा मुक्ति की दिशा में जिला पुलिस का अहम कदम

नशा पीड़ितों का सीएचसी रतिया में करवाया दाखिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा नशा मुक्ति की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नशा पीड़ितों की पहचान कर उन्हें उपचार एवं काउंसलिंग उपलब्ध करवाई गई। नशा मुक्ति टीम द्वारा सीएचसी रतिया में एक ड्रग पीड़ित को नियमानुसार दाखिल करवाया गया। इसके साथ-साथ वहां पहले से दाखिल नशा पीड़ितों का हाल-चाल जाना गया तथा उन्हें नशे से दूर रहने, नियमित उपचार लेने और सामाजिक मुख्यधारा में लौटने को लेकर विस्तार से काउंसलिंग की गई। टीम ने मरीजों को यह भी समझाया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। इसके अतिरिक्त नशा मुक्ति टीम द्वारा जाखन दादी व रतिया क्षेत्र में आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान रतिया शहर के 4 तथा फतेहाबाद शहर के एक सहित कुल 6 ड्रग पीड़ितों को चिन्हित किया गया। सभी पीड़ितों को काउंसलिंग के उपरांत आवश्यक इलाज उपलब्ध

फतेहाबाद। लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करते नशामुक्ति टीम सदस्य।

20 लोगों ने लिया भाग

रेड क्रॉस तथा हरियाणा नशा मुक्ति केंद्र जाखल के सहयोग से आयोजित इस कैंप में कुल 20 लोगों ने भाग लिया, जिनके ब्लड सैंपल लेकर स्वास्थ्य जांच की गई। सभी पीड़ितों को प्राथमिक उपचार उपरांत अपना स्थायी इलाज सरकारी अस्पताल टोहाना, कक्ष संख्या 14 अथवा हरियाणा नशा मुक्ति केंद्र जाखल से करवाने के लिए निर्देशित किया गया। कैंप में गांव के सरपंच, पंचायत सदस्य व अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

नशे से दूर रहकर खेलों को अपने दैनिक जीवन में शामिल करें युवा: हरगोबिंद सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

नशा बीमारियों व अपराधों को देता है जन्म

पुलिस टीमों ने बताया कि नशा अनेक बीमारियों और अपराधों को जन्म देता है। नशे की लत में फंसे युवक चोरी, स्नैचिंग, लूट तथा अवैध हथियारों जैसे अपराधों की ओर अग्रसर हो जाते हैं, जिससे उनकी हंसती-खेलती जिंदगी बर्बाद हो जाती है, इसलिए युवाओं के साथ-साथ अभिभावकों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें और किसी भी समस्या की स्थिति में संवाद के माध्यम से उनका मार्गदर्शन करें। इस दौरान युवाओं से आह्वान किया गया कि वे नशे का त्याग कर अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें।

नशा तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई के साथ-साथ युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने एवं खेलों के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से डबवाली पुलिस निरंतर नए आयाम स्थापित कर रही है। इसी कड़ी में डबवाली पुलिस की स्पोट्र्स एसपीओ टीम द्वारा गांव-गांव पहुंचकर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में एसपीओ हरगोबिंद सिंह ने गांव औढ़ा, एसपीओ राजेन्द्र कुमार ने गांव दादू व एसपीओ तरसेम कुमार ने गांव भारूखेड़ा में पहुंचकर युवाओं की वॉलीबॉल व क्रिकेट प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को नशे जैसी घातक बीमारी से दूर रहने तथा खेलों के जरिए अपने माता-पिता, गांव, शहर व देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया गया।

संत मोहन सिंह मतवाला ने सिखी का प्रचार कर धर्म की अलख जगाई: झींडा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। संत मोहन सिंह मतवाला की बरसी के समारोह में पहुंचे गणमान्य लोग।

जिला के गांव तिलोकेवाला के श्री निर्मलसर साहिब गुरुद्वारा में संत मोहन सिंह मतवाला की 34वीं बरसी पर आयोजित धार्मिक समारोह संत बाबा गुरमीत सिंह तिलोकेवाला की अध्यक्षता में हुआ। इस दौरान प्रकाश किए गए श्री अखंड पाठ साहिबों की लड़ी के भोग डाले गए। कार्यक्रम में तख्त श्री दमदमा साहिब से पहुंचे सिंह साहिब बाबा टेक सिंह धनौला, श्री दरबार साहिब अमृतसर से हेड ग्रंथी ज्ञानी केवल सिंह, तख्त श्री पटना साहिब से ज्ञानी रणजीत सिंह, श्री दरबार साहिब अमृतसर से हजूरी रागी जत्था, संत बाबा काका सिंह बूंगा मस्तुआना, संत बाबा प्रीतम सिंह मलड़ी, संत बाबा दर्शन सिंह दादूक्षर वाले, संत बाबा गुरपाल सिंह चोरमार, संत बाबा शिवानंद केवल, संत बाबा केवल सिंह डेरा बाबा हकतला सरदूलगढ़ सहित हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जगदीश सिंह झींडा, बीबी बलजिंद्र कौर विधायक हलका तलवंडी साबो, रवि प्रीत सिंह हलका इंचार्ज तलवंडी साबो, कालांवाली के विधायक शीशपाल केहरवाला, वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश चोपड़ा आदि मौजूद रहे।

सहकार भारती के स्थापना दिवस पर गोष्ठी

आदमपुर। अनाज मंडी में सहकार भारती के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक सहकार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में सहकार भारती के जिलाध्यक्ष पवन कुमार ने अध्यक्षता की। इसमें विभिन्न सहकारी संस्थाओं सहकारी विपणन समितियां, एम-पैक्स तथा सीएम-पैक्स, कर्मचारियों और समितियों के संचालक मंडल के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए पैक्स प्रकोष्ठ के प्रांत प्रमुख हनुमान गोदारा ने कहा कि सहकार से समृद्धि के आंदोलन को सफल बनाने के लिए केंद्र सरकार ने अलग से सहकारिता मंत्रालय का गठन करके पूरे देश की प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के कंप्यूटीकरण का निर्णय लिया है और पैक्सों को बहुउद्देशीय गतिविधि संचालित करने के लिए कार्य के अवसर प्रदान किए हैं तथा नई सहकार नीति 2025 जारी की है।

लड़कियों के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता जरूरी : कौर

आनलाइन टॉक शो 'अनुभव के बोल' आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

माता हरकी देवी महिला शिक्षा महाविद्यालय ओढ़ा में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ व पुरातन विद्यार्थी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आनलाइन टॉक शो अनुभव के बोल का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कृष्ण कांत ने पूर्व छात्रा सर्वजीत कौर का परिचय प्रस्तुत किया व स्वागत किया। कार्यक्रम में बतौर वक्ता महाविद्यालय की पूर्व छात्रा सर्वजीत कौर ने अपने अनुभव सांझा किए। सर्वजीत कौर ने अपने अनुभव सांझा करते हुए बच्चों को भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने और उनको प्राप्त करने के लिए तैयारी की योजनाओं की जानकारी दी। सर्वजीत कौर ने कहा कि वर्तमान समय में लड़कियों के लिए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ ड्राइविंग में भी दक्ष होना अनिवार्य है। अनुभव भावी शिक्षिकाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन शिक्षार्थियों के ज्ञानवर्धन व आत्मविश्वास वृद्धि में सहायक सिद्ध होते हैं।

आश्वासन के बावजूद नहीं हुआ फग्गू रजवाह की रिमॉडलिंग का कार्य : लखविंद्र

सात वर्षों से समस्या बरकरार, फसलों को हो रहा नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

किसान नेता ने कहा, देरी बर्दाश्त नहीं करेंगे

किसान नेता ने कहा कि उपरोक्त गांवों के किसानों को आश्वस्त किया कि वे सिंचाई विभाग व वन विभाग से मिलकर इस कार्य को जल्द से जल्द पूरा करवाने की मांग करेंगे तथा फग्गू रजवाहा के पुनर्निर्माण में सिंचाई विभाग द्वारा की जा रही देरी बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस मौके पर उनके साथ दर्शन सिंह, रिछपाल सिंह, सदागर सिंह, वकील सिंह, बोहड़ सिंह, रेशम सिंह, गुरदीप सिंह, गुरलाल सिंह, बिन्द्र सिंह, जसपाल सिंह, मेवा सिंह, महकप्रीत सिंह, बलदेव सिंह, अवतार सिंह, जसवीर सिंह, मनजीत सिंह, कुलवंत सिंह, जगसीर सिंह, बुगर सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

किसान नेता लखविंद्र सिंह कहा कि पछले कई सालों से 42000 टेल, फग्गू रजवाह की हालत खस्ता होने की वजह से रोहन, रोड़ी और फग्गू के किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि इस रजवाहा की रिमॉडलिंग का निर्माण कार्य हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2018-19 में होना निश्चित किया गया था, जो कि वर्तमान समय में बुरी तरह जगह-जगह टूटा हुआ है। इस रजवाहा की रिमॉडलिग के लिए वन विभाग व सिंचाई विभाग सिरसा द्वारा कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया है। पिछले लगभग सात वर्षों से इस कार्य को पूरा करने के लिए दोनों विभागों द्वारा कोई रूचि नहीं दिखाने के कारण किसानों को फसल की पैदावार कम होने के कारण नुकसान सहना पड़ रहा है।

वीबी-जी रामजी योजना महत्वपूर्ण पहल : बराला

राज्यसभा सांसद ने गांवों में लोगों से किया सीधा संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। सांसद सुभाष बराला का स्वागत करते ग्रामीण।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को गांव ढाणी सांचला, भोजराज एवं जांडली खुर्द में विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानि वीबी-जी रामजी योजना के अंतर्गत ग्रामीण श्रमिकों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने योजना के उद्देश्य, प्रावधानों एवं लाभों की जानकारी दी तथा श्रमिकों की समस्याओं और सुझावों को भी सुना। सांसद बराला ने कहा कि वीबी-जी रामजी योजना केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का विस्तार कर श्रमिकों को सम्मानजनक आजीविका उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण श्रमिकों को 125 दिन का सुनिश्चित रोजगार प्रदान करने का प्रावधान किया गया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। सांसद ने कहा कि रोजगार दिवस बढऩे से देश में ग्रामीण अकुशल श्रमिकों की औसत आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

योजना अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी

बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार द्वारा लाया गया वीबी-जीरामजी कानून श्रमिकों को न्याय, पारदर्शिता और उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह योजना गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराकर पलायन रोकेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी। बराला ने कहा कि वीबी-जी रामजी योजना ग्रामीण युवाओं, महिलाओं एवं श्रमिक वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सहायक सिद्ध होगी। इस मौके पर पंचायत प्रतिनिधि, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रमिक उपस्थित रहे।

यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों पर पुलिस का शिकंजा

डबवाली। पुलिस ने यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों पर कड़ा एक्शन लिया है। इसी कड़ी में बीते सप्ताह डबवाली यातायात पुलिस ने ट्रिपल राइडिंग, बिना नंबर प्लेट वाहन, बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट, निर्धारित गति सीमा से अधिक गति वाहन चलाने, शराब पीकर वाहन चलाने, लेन चेंज ड्राइविंग, राष्ट्रीय राजमार्गों पर भारी वाहन खड़े कर यातायात अवरूद्ध करने वाले वाहनों को रडार लेकर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। यातायात थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि वाहन चालक अक्सर लापरवाही बरतते हैं, जिससे न केवल उनका बल्कि अन्य सडक़ उपयोगकर्ताओं का जीवन भी खतरे में पड़ जाता है।

पगड़ी संभाल जट्टा किसान संगठन की पद यात्रा शुरू

कर्जमुक्ति किसान-मजदूरों की मांग, पहले दिन कई किसानों को लामबंद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया। कर्जमुक्ति को लेकर पदयात्रा निकालते किसान।

पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति हरियाणा द्वारा किसानों और मजदूरों की कर्जमुक्तिकी, उचित मुआवजा और कृषि नीतियों में सुधार की मांग को लेकर प्रदेशव्यापी पद यात्रा की शुरुआत की गई है। यह पद यात्रा रतिया ब्लॉक के अहरवां गांव से रवाना हुई और पहले ही दिन शेखुपुर, पालसर, रायपुर,हसंगा सहित कई गांवों में पहुंचकर किसानों को लामबंद किया गया। किसान संघर्ष समिति के नेताओं ने बताया कि इससे पहले भट्ट इलाके के सैकड़ों गांवों में जाकर किसानों को संगठित किया गया और उनके कर्ज व मुआवज से संबंधित मुद्दों को मजबूती से सरकार के समक्ष उठाया गया। पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष मनदीप नथवान ने बताया कि एक माह तक चलने वाली यह यात्रा हर जिले और ब्लॉक में जाकर किसानों से संवाद करेगी, उनकी समस्याएं सुनेगी और आंदोलन के लिए उन्हें एकजुट करेगी।

यह यात्रा कर्जमुक्त हरियाणा के बड़े लक्ष्य की ओर निर्णायक कदम

समिति ने कहा कि यह यात्रा कर्जमुक्त हरियाणा के बड़े लक्ष्य की ओर निर्णायक कदम है। समिति ने घोषणा की है कि पद यात्रा के समापन के बाद 23, 24 और 25 फरवरी को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। इस दौरान तीन दिवसीय पड़ाव होगा जिसमें हरियाणा के सभी जिलों से किसानों की बड़ी भागीदारी की उम्मीद है। मनदीप नथवान ने कहा कि किसानों पर बढ़ते कर्ज और उचित मुआवज की कमी को लेकर सरकार को अब ठोस कदम उठाने होंगे।

स्वामी विवेकानंद प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शक: चोपड़ा

चौधरी देवीलाल विवि में करवाई संगोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे युवा पखवाड़ा के तहत चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में एक संगोष्ठी करवाई गई। कार्यक्रम में प्रांत सह कोषाध्यक्ष पुनित शर्मा ने कहा कि एबीवीपी ज्ञान, शील और एकता के मूल मंत्र के साथ राष्ट्र एवं छात्र हित में 1948-49 से अनवरत धरातल पर संघर्षरत है और आज स्वामी विवेकानंद को अपना प्रेरणापुंज एवं आदर्श मानते हुए विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन के रूप भावी नेतृत्व कत्र्ता तैयार करने की अनूठी पाठशाला के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। मुख्यातिथि अमन चोपड़ा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद महान संत होने के साथ-साथ एक ऐसे तेजस्वी प्रेरणास्रोत एवं मार्गदर्शक हैं, जिनसे प्रेरणा लेकर आज के युवा विकसित भारत के कर्णधार बन सकते हैं। आज की युवा पीढ़ी को विवेकानंद को पढऩा चाहिए और उनके बताए मार्ग पर चलकर अपने उज्जवल भविष्य निर्माण के साथ साथ राष्ट्र पुनर्निर्माण में अपना अविस्मरणीय, अतुलनीय योगदान देना चाहिए।

एमएम स्कूल ओढ़ां में इन-हाउस टीचर ट्रेनिंग सेशन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

सिरसा। कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

एमएम मेमोरियल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ओढ़ां में एक इन-हाउस टीचर ट्रेनिंग सेशन का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण सत्र ऑल इंडिया प्रिंसिपल्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. नवदीप भारद्वाज के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें शिक्षकों को समय प्रबंधन, कक्षा प्रबंधन एवं तनाव प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक जानकारी दी गई। इस अवसर पर झिलमिल बटाला एवं डॉ. निखिल गांधी ने भी सेमिनार में सहभागिता करते हुए शिक्षकों को अपने अनुभवों के आधार पर उपयोगी एवं प्रेरणादायक सुझाव दिए। सभी शिक्षकों ने सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक व लाभकारी बताया। कार्यक्रम में विद्यालय की पूरी प्रबंधन टीम द्वारा सभी प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल की प्रिंसिपल सीमा बेनीवाल ने कहा कि इस प्रकार के इन-हाउस प्रशिक्षण सत्र शिक्षकों को पेशेवर एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाते हैं और विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर करते हैं।

शहीद दविन्द्र सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महिला कॉलेज में एनएसएस कैंप

छात्राओं ने मंदिर में किया श्रमदान, बुजुर्गों से जाने अनुभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया। एनएसएस कैम्प के दौरान श्रमदान करतीं छात्राएं।

शहीद दविन्द्र सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, रतिया में एनएसएस के विशेष सात दिवसीय शिविर के दौरान विविध सामाजिक, शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। छात्राओं ने समाज सेवा, जागरूकता एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के तीसरे दिवस का शुभारंभ जल संरक्षण विषय पर डॉ. राजेन्द्र कुमार के प्रेरक व्याख्यान से हुआ। उन्होंने जल संकट की वर्तमान स्थिति, जल के विवेकपूर्ण उपयोग तथा संरक्षण के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को दैनिक जीवन में जल बचाने की आदतें अपनाने का आह्वान किया।

स्वच्छता अभियान चलाया

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम इकाई की स्वयंसेविकाओं ने गांव जाखनदादी के मंदिर परिसर में श्रमदान किया तथा स्वच्छता अभियान चलाया। साथ ही उन्होंने गांव के बुजुर्गों से संवाद कर उनके जीवन अनुभव सुने, जिससे स्वयंसेविकाओं को सामाजिक मूल्यों और जीवन संघर्षों को समझने का अवसर मिला। द्वितीय इकाई की स्वयंसेविकाओं ने गांव भरपूर में बुजुर्गों से उनके अनुभव सुने और गांव के तालाब का भ्रमण कर जल स्रोतों के संरक्षण एवं महत्व को समझा। शाम के सत्र में स्वयंसेविकाओं को एड्स विषय पर जागरूक करने हेतु एक ज्ञानवर्धक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। चौथे दिवस में प्रो. सर्वजीत सिंह द्वारा साइबर सुरक्षा विषय पर व्याख्यान दिया गया। इसके पश्चात कन्या भ्रूण हत्या जैसे गंभीर सामाजिक विषय पर डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई, जिससे छात्राओं में सामाजिक संवेदनशीलता एवं जागरूकता का विकास हुआ। शाम के सत्र में रचनात्मकता एवं खेल भावना को प्रोत्साहित करने हेतु 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता तथा खो-खो खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेविकाओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया।

खबर संक्षेप

108 कन्याओं का सामूहिक विवाह 22 को

फतेहाबाद। समाज सेवा और मानवीय मूल्यों को सशक्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए स्वामी सदानंद चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आगामी 22 जनवरी वीरवार को 108 गरीब एवं जरूरतमंद कन्याओं का भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। यह पावन आयोजन श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर, सिलीगुड़ी में संपन्न होगा। यह जानकारी देते हुए सद्गुरु कृपा अपना घर के मुख्य सेवक विनोद तायल ने बताया कि सामूहिक विवाह समारोह परम पूज्य परमहंस श्रीश्री 108 स्वामी सदानंद जी महाराज के पावन सान्निध्य एवं आशीर्वाद में संपन्न होगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल कन्यादान की महान परंपरा को आगे बढ़ाएगा, बल्कि समाज में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सम्मान और सहारा प्रदान करेगा। उन्होंनेने बताया कि इस पुण्य कार्य में गुरुजी प्रणामी मिशन ट्रस्ट, सिलीगुड़ी मुख्य सहयोगी संस्था के रूप में अपनी अहम भूमिका निभा रही है।

जान से मारने की धमकी देने के तीन आरोपी पकड़े

सिरसा। पुलिस ने घर में घुसकर तेजधार हथियार से हमला कर चोट पहुंचाने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में नामजद तीनों आरोपियों को देसूमलकाना से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयोगशुदा हथियारों को भी बरामद कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान प्रवीन, यादविंद्र व बीरा सिंह निवासी सालमखेड़ा जिला सिरसा के रूप में हुई है। ओढां थाना प्रबंधक निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि बीती 17 जनवरी को सालमखेड़ा निवासी राजकुमार ने शिकायत दी कि बीती 15 जनवरी की शाम करीब 7 बजे जब वह अपने भाई गगनदीप के साथ अपने घर में खाना खा रहा था तो तीनों आरोपी हथियारों के साथ घर में घुस आए और गाली गलौज करने लगे। शिकायतकर्ता ने जब आरोपियों से गाली देने से मना किया तो उन्होंने उन दोनों पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। शोर मचाने पर आस पास के लोगों को आता देखकर आरोपी धमकी देकर फरार हो गए।

कार्यशाला में पैरा लीगल वॉलंटियर्स को दिए टिप्स

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला न्यायालय स्थित एडीआर सेंटर के कॉन्फ्रेंस हॉल में पैनल अधिवक्ताओं एवं पारा लीगल वॉलंटियर्स के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि कार्यशाला के दौरान पैनल अधिवक्ता बलवीर कौर गांधी ने प्रतिभागियों को पावर्टी एलिवेशन स्कीम, लीगल सर्विसेज अथॉरिटी एक्ट 1987, बाल विवाह मुक्त भारत अभियान सहित नालसा एवं हालसा की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला का उद्देश्य आमजन तक निःशुल्क कानूनी सहायता योजनाओं की सही जानकारी पहुंचाना तथा पैनल अधिवक्ताओं व पैरा लीगल वॉलंटियर्स की कार्यक्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाना रहा। इस मौके पर कर्मचारी मौजूद रहे।

रात का तापमान भी बढ़ा, आने वाले दिनों में बरसात की संभावना

शीत लहर थमी तो पारा 6 डिग्री ऊपर पहुंचा, शहर के पार्क लोगों से गुलजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

रविवार को 24 दिन बाद दिन का पारा 21 डिग्री पर आ गया। दिन में यहां अच्छी धूप खिलने से लोगों ने ठंड से राहत महसूस की। इससे पहले 24 दिसंबर को दिन का पारा 20.8 डिग्री दर्ज किया गया था। इसके बाद लगातार दिन का पारा 20 डिग्री से नीचे ही चल रहा था। मौसम विभाग अगले 6 दिन तक सुबह-शाम घना कोहरा छाने का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि 19 जनवरी से 25 जनवरी तक मौसम परिवर्तनशील रहेगा। इस दौरान 3 पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहेंगे जिस कारण 20 से 25 जनवरी तक प्रदेश में बारिश की संभावना है।

दरअसल 25 दिसंबर से ही मौसम में बड़ा बदलाव आ गया था। इसके बाद दिसंबर के अंतिम दिनों में अफगानिस्तान की ओर से आए पश्चिमी विक्षोभ ने मौसम की दिशा को ही बदलकर रख दिया था। 28 दिसंबर से हाड कंपाती ठंड के साथ-साथ घने कोहरे ने दस्तक दे दी थी। तभी से ऐसा शायद ही कोई दिन रहा होगा, जिस दिन सुबह या रात को घना कोहरा न छाया हो। उत्तरी हवाओं संग चल रही शीतलहर ने जनजीवन प्रभावित कर दिया था। इस दौरान दिन का पारा 12 से 14 डिग्री और रात का पारा 4 डिग्री तक पहुंच गया था। दो दिन पहले पश्चिमी विक्षोभ का असर कम होना शुरू हो गया था।

इस कारण फिर से मौसम में बदलाव आ गया। रविवार सुबह यहां घना कोहरा छाया रहा, लेकिन सुबह 7 बजे के बाद से ही आसमान का साफ होने लगा।

फतेहाबाद। पार्क में धूप का आनंद लेते लोग।

सक्रिय होंगे तीन पश्चिम विक्षोभ

पिछले एक सप्ताह से मौसम में बदलाव देखने को मिला रहा है। इससे पूर्व तापमान सामान्य से 5-6 डिग्री कम चल रहा था। इस समय तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिल रहा है। रात का तापमान 3 से 8 डिग्री और दिन का तापमान 18 से 21 डिग्री के बीच घूम रहा है। इस दौरान 19 से 25 जनवरी तक तीन पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे। पहला 19 जनवरी को एक्टिव होगा जिस कारण 20 व 21 जनवरी को उत्तरी दक्षिणी जिलों में बारिश व बूंदाबांदी के आसार है। दूसरा 22 व 23 जनवरी को सक्रिय होगा, जिससे फिर हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद 24 जनवरी को एक ओर पश्चिमी विक्षोभ आएगा जिससे 25 जनवरी तक प्रदेश में बारिश के आसार है।

धुंध के कारण 22 ट्रेनें देरी से चली

धुंध के कारण जाखल रेलवे स्टेशन से होकर गुजरने वाली 22 ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। इस दौरान यात्रियों को कोहरे में ट्रेनों का घंटों इंतजार करना पड़ा। रविवार को फरक्का एक्सप्रेस 11 घंटे, नांदेड़ साहब से जम्मूतवी एक्सप्रेस 3 घंटे 35 मिनट, शान-ए-पंजाब एक घंटा 40 मिनट, एक्सप्रेस 8 घंटे 48 मिनट और फाजिल्का इंटरसिटी एक्सप्रेस 4 घंटों की देरी से चली।प्रधानमंत्री मोदी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प के साथ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। नेताओं ने कहा कि बाबासाहेब ने समावेशी और लोकतांत्रिक भारत का जो सपना देखा था, उसे साकार करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

डमी ट्रांजेक्शन के माध्यम से बैंक खाते खाली कर रहे ठग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने आमजन को साइबर अपराध की एक नई और तेजी से फैल रही ठगी की तकनीक 'जंप्ड डिपॉजिट स्कैम' को लेकर सतर्क किया है। उनका कहना है कि साइबर ठग यूपीआई ट्रांजेक्शन का दुरुपयोग कर लोगों की जल्दबाजी और भ्रम का फायदा उठाकर उनके बैंक खातों से बड़ी रकम हड़प रहे हैं।

एसपी ने बताया कि इस प्रकार के फ्रॉड में साइबर ठग पहले जानबूझकर किसी व्यक्ति के यूपीआई खाते में 1 या 2 रुपये जैसी बहुत छोटी राशि भेजते हैं। इसके तुरंत बाद ठग फोन कॉल या मैसेज के जरिए यह कहकर संपर्क करता है कि गलती से पैसे ट्रांसफर हो गए हैं, कृपया वापस कर दें। जैसे ही व्यक्ति बैलेंस चेक करने या पैसे लौटाने के लिए अपना यूपीआई ऐप खोलता है, उसी समय ठग द्वारा भेजी गई मनी रिक्वेस्ट जल्दबाजी में स्वीकार हो जाती है और पिन डालते ही खाते से बड़ी राशि ठग के खाते में ट्रांसफर हो जाती है।एसपी ने उपयोगकर्ताओं के लिए 8 जरूरी सुरक्षा निर्देश दिए हैं। खाते में अचानक पैसे आने पर घबराएं नहीं और तुरंत कोई कार्रवाई न करें। पैसे आने के बाद कम से कम 30 मिनट तक यूपीआई ऐप न खोलें। किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजी गई पेमेंट रिक्वेस्ट को स्वीकार न करें। पैसे प्राप्त करने के लिए कभी भी यूपीआई पिन डालने की आवश्यकता नहीं होती। संदिग्ध कॉल या मैसेज करने वाले नंबर को तुरंत ब्लॉक करें। यदि गलती से ऐप खुल जाए तो सुरक्षा के तौर पर जानबूझकर गलत पिन डालें। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और पब्लिक वाईफाई पर यूपीआई का उपयोग न करें। बैंक एसएमएस और स्टेटमेंट की नियमित जांच करते रहें। एसपी ने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की यूपीआई या साइबर धोखाधड़ी होती है तो तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें या पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं ताकि समय रहते ही कार्रवाई की जा सके।

अंकित कंबोज को जिला सचिव बनाए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा भूना के युवा नेता अंकित कंबोज को फतेहाबाद जिला सचिव तथा ईश्वर भूक्कल को जिला महासचिव नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। पार्टी कार्यालय और स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दोनों नेताओं को बधाई दी।

■ पार्टी संगठन को मजबूत करने का लिया संकल्प

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अंकित कंबोज लंबे समय से संगठन के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं और वे युवाओं की आवाज के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, मेहनत और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने की क्षमता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं ईश्वर भूक्कल भी संगठनात्मक कार्यों में अनुभव रखते हैं और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में उनकी भूमिका अहम रहेगी। इस अवसर पर कांग्रेस नेता सुधीर धारणिया, पूर्व अध्यक्ष चंद्रभान मेहता, अंकित चमारखेड़ा और तरसेम शर्मा ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह नियुक्तियां पार्टी के संगठन को नई दिशा और ऊर्जा देगी।

भूना। सांसद कुमारी सैलजा से जिम्मेवारी मिलने के बाद आशीर्वाद लेते हुए अंकित कंबोज।

नेताओं ने उम्मीद जताई कि दोनों पदाधिकारी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को संगठित कर कांग्रेस को और मजबूत करेंगे। कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने इन नियुक्तियों के लिए वरिष्ठ नेता व सांसद कुमारी शैलजा तथा फतेहाबाद जिला अध्यक्ष अरविंद शर्मा का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छ थाना-चौकी पहल के लिए कर्मचारियों ने किया श्रमदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में रविवार को फतेहाबाद पुलिस द्वारा स्वच्छ थाना-चौकी पहल अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान पुलिस कर्मचारियों द्वारा थाना परिसरों की स्वच्छता के साथ-साथ अनुशासन, कार्यसंस्कृति और जनसेवा के स्तर को लगातार बेहतर किया जा रहा है।

■ पुलिस परिसर को किया चकाचक

अभियान के तहत जिले के सभी थानों व चौकियों में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी सामूहिक रूप से श्रमदान करते हुए साफ-सफाई, रिकॉर्डों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, पुराने व अनुपयोगी सामान की छंटाई, मरम्मत तथा कार्यालयीन व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर रहे हैं। इस पहल की विशेषता यह है कि इसमें सभी स्तर के अधिकारी और कर्मचारी एक टीम भावना के साथ सहभागिता निभा रहे हैं।पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि स्वच्छ और सुव्यवस्थित कार्यस्थल पुलिस कर्मियों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ थानों में आने वाले नागरिकों के लिए भी सकारात्मक वातावरण तैयार करता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस पहल को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है।

फतेहाबाद। बस अड्डा चौकी में सफाई करते पुलिस कर्मचारी।

अभियान के परिणामस्वरूप कई थानों में नागरिक सुविधाओं में स्पष्ट सुधार देखने को मिला है। इससे लोगों को फायदा होगा।

अवैध शराब व नशीली गोलियों सहित दो गिरफ्तार, केस

हरिभूमि न्यूज. ▶▶ डबवाली

पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में नशीले पदार्थों सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चौटाला चौकी प्रभारी सतपाल सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी कि उन्हें सूचना मिली कि संदीप कुमार निवासी चौटाला मोटरसाइकिल पर राजस्थान के साबूआना से अवैध शराब लाकर चौटाला में बेचता है। सूचना के अनुसार उन्होंने साबूआना रोड पर नहर पुल के पास नाकाबंदी शुरू की।

■ पुलिस ने नाकाबंदी कर आरोपियों को पकड़ा

कुछ देर में एक युवक मोटरसाइकिल पर साबूआना की ओर से आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उक्त युवक को जब रूकवाकर उसकी नियमानुसार तलाशी ली, तो उक्त शख्स के पास 48 बोतल अवैध शराब बरामद हुई। आरोपी की पहचान संदीप कुमार पुत्र बृजलाल निवासी चौटाला के रुप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सदर डबवाली में आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। वहीं पुलिस ने गांव आसाखेड़ा के समीप एक युवक को शक के आधार पर रोककर तलाशी ली तो उसके कब्जे से नशे में प्रयुक्त होने वाली 220 गोलियां व 255 कैप्सूल बरामद हुए। पुलिस ने मौके पर ड्रग इंस्पेक्टर सुनील कुमार को बुलाकर बरामद गोलियों व कैप्सूलों की जांच की गई तो उसके पास नशीली गोलियां बरामद हुई। आरोपी की पहचान अर्शदीप पुत्र अंग्रेज निवासी आसाखेड़ा के रुप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

धन समेटने की बजाय गरीबों में बांटे, पैसा साथ नहीं जाता : संत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

शक्ति नगर स्थित भोजाराम धर्मशाला में टोहाना से संत सुखदेवानंद जी महाराज का सत्संग कीर्तन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अपने प्रवचनों में संत सुखदेवानंद महाराज ने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में अच्छे विचारों को मन में पैदा करना चाहिए, बुरे विचार गलत कर्मों पर ले जाते हैं जिसका नुकसान मनुष्य को भुगतना पड़ता है। उन्होंने कहा कि धन समेटने की बजाय बांटना चाहिए क्योंकि धन संपत्ति साथ नहीं जाती। अच्छे कार्यों में लगाया हुआ धन हमेशा अच्छा फल देता है। संत सुखदेवानंद ने कहा कि अपना ध्यान हमेशा प्रभु की तरफ केंद्रित करना चाहिए तथा उसका गुणगान करना चाहिए। धर्मेन्द्र गोस्वामी ने भी कहा कि अगर भाव अच्छा है तो मनुष्य भवसागर से पर हो जाता है क्योंकि प्रभु भाव के भूखे हैं किसी बाहरी दिखावे या आडंबर के नहीं इसलिए प्रभु का सिमरन करते हुए मानवता की सेवा भी करनी चाहिए। जैसे आजकल ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को गर्म वस्त्र कंबल तथा खाना परोसने चाहिए। इस अवसर पर अन्य संतों ने भी भजन कीर्तन करके माहौल को आध्यात्मिक कर दिया। इस अवसर पर प्रमोद कक्कड़, शांति कक्कड़, अनीता रानी, सुनीता रानी, राधेश्याम चोपड़ा, रमेश खन्ना, रमेश जताना आदि श्रद्धालु भी मौजूद रहे।

रतिया। प्रवचन करते संत सुखदेवानंद महाराज।

नौजवान सभा द्वारा ग्रामीण खेलकूद व कबड्डी प्रतियोगिता 1 फरवरी को

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

नौजवान सभा के 100 साल पूरे होने और नेशनल कबड्डी खिलाड़ी प्रतिज्ञा को समर्पित तीसरी ग्रामीण खेलकूद एवं कबड्डी प्रतियोगिता 1 फरवरी रविवार को गांव भूथनकलां में आयोजित की जाएगी। गांव के गर्वमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खेल ग्राऊंड में होने वाले इस खेल मेले के दौरान लडक़े व लड़कियों के विभिन्न आयु वर्गों में मुकाबले करवाए जाएंगे।

■ भूथनकलां की तैयारियों को अंतिम रूप में देने में जुटे सभा के वरिष्ठ पदाधिकारी

कबड्डी, दौड़, रस्साकशी, मटका दौड़ के अलावा बुजुर्गों की दौड़ विशेष आकर्षण का केन्द्र होगी। यह जानकारी देते हुए नौजवान सभा के जिला सचिव शाहनवाज एडवोकेट ने बताया कि भारत की जनवादी नौजवान सभा द्वारा यह ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता करवाई जा रही है। इन प्रतियोगिताओं में जिलेभर से खिलाड़ी भाग लेंगे और दमखम दिखाएंगे। इस दौरान नेशनल कबड्डी के मुकाबले सिर्फ लड़कियों के होंगे। 45 किलो भार वर्ग में इस प्रतियोगिता की विजेता को प्रथम 11 हजार व द्वितीय पुरस्कार 7100 रुपये दिए जाएंगे। अंडर-17 दौड़ में लड़कियों व लडक़ों के मुकाबले होंगे जिसमें प्रथम पुरस्कार 1100, द्वितीय पुरस्कार 700 व तृती पुरस्कार 500 रुपये दिया जाएगा। इसके अलावा महिलाओं की मटका दौड़, महिलाओं की ओपन दौड़, पुरूषों की ओपन दौड़, बुजुर्गों की दौड़ तथा रस्साकशी में पुरूषों व महिलाओं के मुकाबले होंगे।

श्रमिकों को सता रही सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

रतिया के कांग्रेस विधायक जरनैल सिंह ने कहा है कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर करना गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण भारत के अधिकारों पर सीधा हमला है। 'विकसित भारत' के दावों के बीच जमीनी सच्चाई यह है कि लोगों के हाथों से काम छीना जा रहा है और रोजगार की गारंटी को धीरे-धीरे खत्म किया जा रहा है।

रतिया में पत्रकारों से बातचीत करते हुए जरनैल सिंह ने कहा कि यूपीए सरकार के समय, जब देश के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह थे, तब मनरेगा जैसी ऐतिहासिक योजना लागू की गई थी। इस योजना ने ग्रामीण गरीबों को 100 दिन के सुनिश्चित रोजगार की गारंटी दी और करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोविड महामारी और आपदा के कठिन समय में भी मनरेगा गरीबों और मजदूरों के लिए सबसे बड़ा सहारा साबित हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा केंद्र सरकार ने मनरेगा को व्यवस्थित तरीके से कमजोर किया है। पहले जहां गांवों में काम मांगने पर रोजगार मिलता था, अब स्थिति यह है कि राज्य सरकारों को केंद्र के पास प्रस्ताव भेजने पड़ते हैं और उसके बाद भी काम मिलेगा या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं रहती। भुगतान में देरी और बजट में कटौती से मजदूरों का भरोसा तोड़ा जा रहा है। विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी के नाम को हटाने की सोच भी उसी मानसिकता को दर्शाती है, जबकि महात्मा गांधी का सपना गांवों को आत्मनिर्भर बनाने का था और मनरेगा उसी सोच का सशक्त माध्यम था। उन्होंने बताया कि मनरेगा को बचाने और केंद्र सरकार की नीतियों की सच्चाई जनता के सामने लाने के लिए कांग्रेस ने सभी प्रदेशों में चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गरीबों, मजदूरों और ग्रामीणों के अधिकारों की इस लड़ाई को पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी और मनरेगा को खत्म करने या कमजोर करने की किसी भी कोशिश को लोकतांत्रिक तरीके से रोका जाएगा।

शिक्षा | गुणवत्ता से संस्थान निरंतर प्रगति करता है: डा. चक्रवर्ती

पारदर्शिता, नवाचार और डाटा आधारित कार्यप्रणाली अपनाने पर दिया जोर

सीडीएलयू की कार्यशाला में नेक प्रत्यायन और विश्वविद्यालय रैंकिंग पर किया मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा आयोजित नैक प्रत्यायन एवं विश्वविद्यालय रैंकिंग विषय पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला रविवार को संपन्न हो गई।

कई सत्र में चर्चा

कार्यशाला में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा आईक्यूएसी सदस्यों ने भाग लिया। सत्रों के दौरान नैक के विभिन्न मानदंडों, परिणाम-आधारित शिक्षा, संस्थागत श्रेष्ठ प्रक्रियाओं, ए-क्यूआर तैयार करने तथा राष्ट्रीय रैंकिंग सुधार की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

सिरसा। कार्यशाला में भाग लेते कुलपति व अन्य प्राध्यापक।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि गुणवत्ता सुधार एक सतत प्रक्रिया है और इसमें विश्वविद्यालय के प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान को शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासन और छात्र सेवाओं में प्रभावी रूप से लागू करें।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. एसके चक्रवर्ती, पूर्व डीन (शैक्षणिक), एनआईटी कुरुक्षेत्र ने नैक ढांचे और रैंकिंग प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए पारदर्शिता, नवाचार और डाटा आधारित कार्यप्रणाली पर बल दिया। डॉ. चक्रवर्ती ने कहा कि गुणवत्ता को केवल एक औपचारिक प्रक्रिया न मानकर उसे संस्थान की प्राथमिकता (फोकस) बनाना चाहिए। जब गुणवत्ता प्रत्येक गतिविधि का केंद्र बिंदु बनती है, तभी संस्थान निरंतर प्रगति कर सकता है।

डॉ. चक्रवर्ती ने यह भी कहा कि संस्थान एवं विभाग स्तर पर अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक योजनाओं का स्पष्ट निर्धारण होना चाहिए। इसके साथ ही पर्सपेक्टिव प्लान तैयार कर भविष्य की आवश्यकताओं एवं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाना समय की मांग है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अध्यक्षों ने भी प्रतिपुष्टि दी और शार्ट टर्म योजनाएं सांझी की।